श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 14 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 अक्टूबर 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

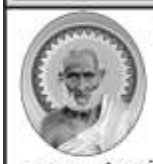

गुरु मन्दिर एवं समाधि मन्दिर शिलान्यास प्रसंगे माण्डवपुर तीर्थ हुआ जयकारों से गूँजायमान

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक संघ एकता के प्रबल पक्षधर, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणा-श्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में सन् 2018 के भव्यातिभव्य चातुर्मास अनेक कार्यक्रमों के साथ गतिमान है। श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) के तत्वावधान में सभी कार्यक्रम भव्यातिभव्य रूप से गुरुभक्तों की विशाल उपस्थिति में हर्षोल्लास एवं उमंगोत्साह के साथ सम्पन्न हो रहे हैं। इसी शृंखला में दिनांक 11-10-2018 को तीर्थ परिसर में प्रातः शुभ मुहूर्त में गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद से संघ एकता के शिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में प्रातःस्मरणीय विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के गुरु मन्दिर तथा पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के समाधि मन्दिर का शिलान्यास देश भर से पधारे गुरुभक्तों की उपस्थिति में लाभार्थी परिवारों द्वारा विधिविधान के साथ किया गया।

आचार्यदेवेशश्री की निश्रा एवं मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. के निर्देशन में प्रातः विधिकारक श्री विरलभाई शाह एवं श्री हेमन्तभाई वेदमुथा ने स्नात्रपूजा, अष्टमंगल, दशदिग्पाल, नवग्रह, पाटला पूजनादि शास्त्रोक्त मन्त्रोच्चार द्वारा करवाया। इसके पश्चात् स्थापित की जाने वाली सभी नन्दा-जया आदि मूल कूर्म शिलाओं का प्रक्षालन, पूजार्चना, अर्घ्य आदि अष्ट विधि द्वारा विधान करवाया। तत्पश्चात् सभी शिलाओं को रथ में सजाकर श्री चन्द्रलोक तीर्थ से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सुसज्जित रथ में लाभार्थी सायला निवासी शाह श्री भगवानचन्दजी केशाजी फोलामुथा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा. का चित्र तथा स्थापित होने वाली शिला लेकर बैठे थे। दूसरे सुसज्जित रथ में लाभार्थी जावरा निवासी श्री इन्द्रमलजी रतनलालजी दसेड़ा पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. का चित्र एवं शिला को लेकर बैठे थे। गजराज पर भी इन्हीं के परिवारों के सदस्य धर्मध्वजा लेकर बैठे थे। आचार्यदेवेशश्री के सान्निध्य में शोभायात्रा में देश भर से पधारे हजारों गुरुभक्त सम्पूर्ण वातावरण को जयकारों से गुँजायमान कर रहे थे। शोभायात्रा का तीर्थ प्रवेश द्वार पर पहुँचने पर महिलाओं ने मंगल कलश से अगवानी करते हुए स्वागत किया।

आचार्यश्री की निश्रा में लाभार्थी परिवार द्वारा गुरु मन्दिर शिलान्यास

शिलान्यास स्थल पर गुरु मन्दिर की मुख्य शिला की स्थापना लाभार्थी रेवतड़ा निवासी श्री मुन्नीलालजी मंगलचन्दजी हिराणी परिवार तथा पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वर समाधि मन्दिर की मुख्य शिला की स्थापना लाभार्थी जोधपुर निवासी श्री सूर्यप्रकाशजी मिश्रीमलजी भण्डारी परिवार ने ॐ पुण्याहं मन्त्रोच्चार के साथ हजारों गुरुभक्तों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ की।

शिलान्यास समारोह के निमित्त आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए प्रवचनकार आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. ने माण्डवपुर के विराट अस्तित्व एवं इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तीर्थ के आवश्यक निर्माण कार्य अति शीघ्र पूर्ण होने वाले हैं और गुरु मन्दिर एवं समाधि मन्दिर का निर्माण पूर्ण होने पर शुभ मुहूर्त्त में पट्टधरद्वय की निश्रा में भव्य प्रतिष्ठोत्सव आयोजित किया जायेगा। मैं अकेला था परन्तु पुण्य-सम्राट गुरुदेव ने मुझे लाखों गुरुभक्तों का बना दिया। पुण्य-सम्राट एवं शान्ति गुरुदेव ने जो तीर्थ विकास का स्वप्न देखा था वह साकार हुआ है। आपश्री ने संघ-संगठन की चर्चा करते हुए देश में त्रिस्तुतिक संघ को मजबूत बना कर खड़े करने की आवश्यकता बताते हुए श्रीसंघ एवं परिषद् पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आपको सक्रिय होकर यह सब करना है। इसी क्रम में त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ राजस्थान एवं प्रवासी राजस्थान का गठन प्रारम्भ करने की प्रक्रिया भी बताई।

आचार्यश्री की निश्रा में लाभार्थी परिवार द्वारा पुण्य-सम्राट समाधि मन्दिर शिलान्यास

वर्तमान में अध्ययनशील श्रमण-श्रमणियों को योग्य आचार्यों या पण्डितवर्यों से अध्ययन करने हेतु एक बड़ी राशि की घोषणा करते हुए कहा कि उनके अध्ययन का समस्त खर्च श्री माण्डवपुर तीर्थ पेढ़ी वहन करेगी। मेरी आन्तरिक अभिलाषा है कि त्रिस्तुतिक संघ के अध्ययनशील श्रमण-श्रमणिवृन्द श्रेष्ठ ज्ञानार्जन कर अपनी ज्ञान रश्मियों से सम्पूर्ण जगत को आलोकित करें। सभा में उपस्थित श्रीसंघ एवं परिषद् पदाधिकारियों के अतिरिक्त हजारों गुरुभक्तों ने इसकी प्रशंसा करते हुए जयकार ध्वनि से इसका अनुमोदन किया।

धर्म सभा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के महामन्त्री श्री सुरेन्द्रजी लोढ़ा ने अपने वक्तव्य में श्री माण्डवपुर तीर्थ के प्राचीनयुगीन व्यवस्थाओं का महिमामण्डन किया तथा वर्तमान में साधु-साध्वियों के अध्ययन-अध्यापन के साथ डिग्री संस्कृत विद्यालय खोले जाने की आवश्यकता बताई। अ. भा. त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वाघजीभाई वोरा ने गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण प्रकट कर तीर्थ द्वारा की गई व्यवस्था की अनुमोदना की। आप सभी गुरुभक्त इस भूमि की ऊर्जा यहाँ से लेकर जाएँ क्योंकि यह भूमि शाश्वत भूमि है। यतीन्द्र वाणी के स. सम्पादक एवं राष्ट्रीय कवि कुलदीप प्रियदर्शी ने मधुर स्वर में 'माण्डवपुर की धन्य धरा का, हर कोई आज दीवाना है। जयन्त-शान्ति गुरुभ्राता का, अन्तिम बना ठिकाना है... कविता सुनाकर तीर्थ की महत्ता तथा पुण्य-सम्राट एवं गुरुभ्राता योगिराजश्री शान्तिविजयजी की गौरव महिमा का गुणगान करके सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया।

(शेष पृष्ठ अन्तिम पट)

श्रीपाल-मयणा की आराधना स्थली में नवपद ओलीजी आराधना

उदयपुर, (स. सं),

श्री अवन्ति पार्श्वनाथ की पावन नगरी उज्जैन में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में चल रहे स्वर्णिम चातुर्मास में धार्मिक कार्यक्रमों तप-जप साधना-आराधना के कार्यक्रम आयोजित हो रहे है।

पूज्य गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में श्रीपाल-मयणा की आराधना स्थली उज्जैन नगर में चातुर्मास के अन्तर्गत शाश्वती श्री नवपद ओलीजी की आराधना की जायेगी। जिसमें दिनांक 15-10-2018 को उत्तर पारणा होगा। ओलीजी प्रारम्भ दिनांक 16-10-2018 को होगा और ओलीजी पूर्णाहूति दिनांक 24-10-2018 को होगी। ओलीजी के लाभार्थी श्रीमती मनोरमाबेन श्री पारसचन्दजी कोठारी परिवार है।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, उज्जैन एवं श्री ऋषभदेवजी छगनीरामजी पेढ़ट ट्रस्ट, खाराकुआ द्वारा आयोजित इस ओलीजी आराधना में देश के अनेक नगरों के श्रावक-श्राविकाओं के पधारने की सम्भावना है।

गच्छाधिपतिश्री के दर्शन-वन्दन को नित्य श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का विशाल संख्या में पदार्पण हो रहा है। जयन्तसेन प्रवचन मण्डप में नित्य धर्मप्रेमी जिनवाणी का श्रवण का रसास्वादन कर रहे है।

परिषद् शाखाएँ पुरस्कृत

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में चल रहे स्वर्णिम चातुर्मास में अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् का दो दिवसीय संयुक्त अधिवेशन सम्पन्न हुआ जिसमें राष्ट्रीय परिषद् द्वारा शाखाओं से प्राप्त प्रतिवेदन एवं उनके कार्यों की समीक्षा के आधार पर परिषद् शाखाओं को पुरस्कृत किया गया।

नवयुवक परिषद् में सर्वश्रेष्ठ - श्री मँवरलालजी छाजेड़ स्मृति पुरस्कार सूरत शाखा को, श्रेष्ठता का प्रथम - श्रीमती विजयाबेन बचुभाई चिमनलाल धरू पुरस्कार उज्जैन नमक मण्डी व उज्जैन नयापुरा शाखा को संयुक्त, श्रेष्ठता का द्वितीय - श्रीमती बबीबेन चुन्नीलाल नागरदास अदानी पुरस्कार विजयवाड़ा शाखा को, श्रेष्ठता तृतीय - मुम्बई की प्रार्थना समाज शाखा को, पुण्य-सम्राट उत्कृष्ट शाखा - म. प्र. परिषद परिवार पुरस्कार राजगढ़ शाखा को, शाखा कार्यों के लिए - श्री तगराजजी हिराणी पुरस्कार इन्दौर शाखा को, वैयावच्च - श्रावकरत्नश्री रतनलालजी श्रीश्रीमाल पुरस्कार अहमदाबाद शाखा को, यतीन्द्र ज्ञानपीठ गुणवत्ता पुरस्कार अहमदाबाद शाखा को, रचनात्मक कार्यों के लिए - श्री शान्तिलालजी रामाणी पुरस्कार बैंगलोर शाखा को, सेवा कार्यों हेतु - श्री अशोक कारपप पुरस्कार हुबली शाखा को, शाश्वत धर्म प्रचार-प्रसार - श्री सुखराजजी चमनाजी कबदी पुरस्कार अमराई वाड़ी-अहमदाबाद शाखा को, जीवदया के क्षेत्र में - स्व. श्री केसरीमलजी राँका पुरस्कार मैसूर शाखा को, व्यक्तिगत लेखन - श्री जीतमलजी हिराणी पुरस्कार श्री दिनेश मामा, राजगढ़ को, चिकित्सा क्षेत्र - श्री मणिलाल प्रेमचन्द मोरखिया पुरस्कार अलीराजपुर शाखा को, सर्वाधिक उपस्थिति - श्री सौभाग्यमलजी लोढ़ा पुरस्कार जावरा शाखा को, केन्द्रीय कार्यालय से सम्पर्क - श्री राजमलजी लोढ़ा पुरस्कार बड़नगर शाखा को, प्रचार-प्रसार पुरस्कार श्री बृजेश बोहरा, नागदा जं., पर्यावरण - श्री सागरमलजी मोतीलालजी दसेड़ा पुरस्कार पिपलौदा व जावरा शाखा को संयुक्त एवं अहिंसा के क्षेत्र में - श्रीमती निर्मलादेवी बाबूलालजी बोहरा पुरस्कार डीसा शाखा को राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया।

इसी प्रकार अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद् की शाखाओं में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें श्रेष्ठ/प्रथम द्वितीय श्री चाँदमलजी वरदीचन्दजी तातेड़, धार पुरस्कार सूरत-डीसा शाखा को, श्रेष्ठ/प्रथम-द्वितीय श्री सीतारामजी मँवरलालजी नेहता, उज्जैन पुरस्कार सूरत-डीसा शाखा को, श्रेष्ठ-तृतीय - श्री स्व. श्री इन्द्रमलजी खाबिया की स्मृति में श्री धनुषजी, अंकितजी, अर्पितजी खाबिया, बड़नगर पुरस्कार धार शाखा को, परिषद् गौरव-श्री कनकमलजी समीरमलजी लुणावत, रिंगणोद भायन्दर-मुम्बई शाखा को, सामाजिक - श्री धनराजजी, शरदकुमारजी, आदित्यजी, अनुरागजी धोका पुरस्कार रतलाम शाखा को, धार्मिक शिक्षा - श्री विरेन्द्रकुमारजी नानालालजी जैन पुरस्कार जावरा शाखा को, जीवदया - श्री मैरूमलजी सौभागमलजी मण्डारी पुरस्कार अहमदाबाद शाखा को, पर्यावरण स्व. श्रीमती चाँदबाई बाफना की स्मृति में श्री मनीषकुमारजी बाफना, संजीत पुरस्कार बड़नगर शाखा को, चिकित्सा - श्री स्व. श्री सूरजमलजी पिछोलिया की स्मृति में मधुकर प्रोडक्ट, चौमेहला पुरस्कार राजगढ़ शाखा को, वैयावच्च - स्व. श्री समीरमलजी कोठारी की स्मृति में श्री सुरेशकुमारजी कोठारी, पारा पुरस्कार उज्जैन नमक मण्डी शाखा को, संगठन एवं सेवा कार्य - श्री विमलचन्दजी सुनीलजी, प्रवीणजी डूँगरवाल पुरस्कार पेटलावाद शाखा को, नवपल्लवित - श्री विमलकुमारजी, पंकजजी, नितेशजी सोनगरा, इन्दौर पुरस्कार सारंगी शाखा को एवं पुण्य-सम्राट शासन प्रभावना - श्री स्व. श्री शैतानमलजी बाफना की स्मृति में श्री नाथूलालजी, महेन्द्रजी, दिलीपजी बाफना, राजगढ़ पुरस्कार उज्जैन नयापुरा शाखा को गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. की पावन निश्रा में राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया। सभी पुरस्कृत शाखाओं ने गच्छधिपतिश्री आदि ठाणा का आशीर्वाद प्राप्त किया। गच्छाधिपतिश्री ने मांगलिक श्रवण कराते हुए सभी शाखाओं से आह्वान किया कि पुण्य-सम्राट द्वारा सिंचित इस वटवृक्ष को और सघन बनाना है और सभी को अगले अधिवेशन में एक ड्रेस में आने और दो दिन होटल में खाने-पीने का प्रत्याख्यान कराया।

भाण्डवपुर में 52 जिनालय का कार्य पूर्ण

उदयपुर (स. सं.),

अतिप्राचीन भाण्डवपुर जैन महातीर्थ में तीर्थोद्धारक आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के कुशल मार्गदर्शन व प्रेरणा से महावीर 52 जिनालय तथा वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मन्दिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के निमित्त प्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत सभी स्कूलों के विद्यार्थी भाण्डवपुर तीर्थाधिपति भगवान श्री महावीरस्वामी के जयकारे लगाते हुए मन्दिर पहुँचे। जहाँ पहुँच कर सभी विद्यार्थियों ने भगवान श्री महावीरस्वामी के दर्शन वन्दन कर आचार्यश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. से आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। भोजन प्रसादी का लाभ मामाशाह चम्पालाल पुखराजजी पालनोता, चौहान परिवार सुराणा वालों ने लिया।

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यश्री जयरत्नसूरीश्वजी म. सा. ने सभी छात्र-छात्राओं को शिक्षोपदेश देते हुए कहा कि सभी शिक्षार्थी देश की भावी पीढ़ी है। इसलिए शिक्षा के साथ संस्कारों को भी आत्मसात करें। जैनाचार्यश्री ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप प्रातः सूर्योदय से पूर्व उठने, माता-पिता का सम्मान करने, माँ सरस्वती को नमन करने, नियमित अध्ययन करने एवं अनुशासन के साथ कार्य करने का संकल्प लेने की बात कही।

इस अवसर पर छात्र दलाराम चौधरी ने 'भगवान है कहाँ रे तू... गीत की मधुर स्वर में प्रस्तुति दी। शिक्षक श्री गौतमकुमार सुथार ने तीर्थ व गुरु महिमा का बखान करते हुए पेढ़ी ट्रस्ट द्वारा आचार्यदेवेशश्री की प्रेरणा से स्कूल का नवनिर्माण करवाने पर आभार व्यक्त किया। अन्त में चातुर्मास लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल, पादरू निवासी द्वारा प्रभावना वितरीत की गई।

स्मरण रहे कि भाण्डवपुर तीर्थाधिपति भगवान श्री महावीरस्वामी के प्रति समस्त ग्रामीणों की अटूट श्रद्धा-भक्ति है। इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार के साथ आमजन की भी भावनाएँ जुड़ी हुई है। एकता के शिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की प्रेरणा से श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट संघ के तत्वावधान में आदर्श राजकीय विद्यालय मथा चिकित्सालय भवन का नवनिर्माण चालू है, साथ ही जनकल्याण एवं पशु कल्याण के अन्तर्गत निदान चिकित्सा शिविर, पशु चिकित्सा शिविर एवं छात्र-छात्राओं के लिए पाठ्य सामग्री वितरण आदि कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

भारतनगर मुम्बई में मुनिश्री की पावन निश्रा में उपधान तपाराधना होगी

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रुत प्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में आध्यात्मिक शंखनाद चातुर्मास के अन्तर्गत भारतनगर, मुम्बई में दिनांक 5 नवम्बर 2018, आसोज (मारवाड़ी कार्तिक) कृष्णा 13 (धनतेरस) से 18 दिवसीय अट्ठारिया (अठारिया) आयोजित किया जायेगा।

मुनिश्री ने उपधान की महिमा बताते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन काल में उपधान तप की आराधना अवश्य करनी चाहिये क्योंकि निशीथ चूर्णि ग्रन्थ में ज्ञानी भगवन्तों ने कहा है कि 'दुग्गतीए पतंतमप्पाणं जेण धरती तं उवहाणं भणति।' अर्थात्- दुर्गति में गिरे हुए जीवों को पकड़ कर रखने वाला उपधान है।

श्रीसंघ की विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रथम-द्वितीय अट्ठारिया के आराधकों को प्रवेश दिया जाएगा। बाहर गाँव से पधारने वाले आराधकों को आने-जाने का मार्ग व्यय प्रदान किया जायेगा। मुनिश्री की तपोमयी निश्रा में चातुर्मास के अन्तर्गत अनेक धार्मिक आयोजन अभी तक सम्पन्न हुए हैं। मुनिश्री की विशिष्ट प्रवचन शैली का रसास्वादन करने मुम्बई के उपनगरों के अतिरिक्त अनेक श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आवागमन चालू है।

चैन्नई में रक्तदान शिविर सम्पन्न

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्न-सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में दिनांक 2 अक्टूबर 2018 को मुनिश्री के करकमलों द्वारा रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया गया। भारतीय संस्कृति संरक्षण समिति, चैन्नई के तत्वावधान में श्री विट्ठल नामदेव समाज ट्रस्ट (रजि.) आयोजित इस शिविर में सेवा भारती (आरएसएस) द्वारा संचालित शिवरामजी ब्लड बैंक, सेलम की डॉक्टर्स एवं नर्स टीम ने आकर रक्तदान कराया। इस अवसर पर मुनिश्री की प्रेरणा से अनेक लोगों द्वारा रक्तदान किया गया।

मुनिश्री ने कहा कि आप द्वारा किए गए इस रक्तदान से दूसरों का जीवन बचाया सकता है, देश में कई व्यक्तियों की मृत्यु समय पर ब्लड नहीं मिल पाने से हो जाती है। सभी रक्तदाताओं का आभार श्रीसंघ की ओर से ज्ञापित किया गया।

ओलीजी अनुमोदनार्थ चैत्यपरिपाटी

उदयपुर (स.सं.)

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, सूरत (थराद वालों) के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मासार्थ विराजित प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री अनन्तदृष्टाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री मयूरकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में साध्वीश्री सुव्रताप्रियाजी म. सा. की 38वीं ओलीजी के निमित्त दिनांक 3-10-2018 को प्रातः 6 बजे चैत्यपरिपाटी का आयोजन किया गया।

चैत्यपरिपाटी के अन्तर्गत सर्वप्रथम श्री शान्तिनाथस्वामी जिनालय-अडाजण, गुरु मन्दिर-श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय-रत्नराज कॉम्पलेक्स के दर्शन-वन्दन के पश्चात् दीपा कॉम्पलेक्स-रीवेरा टावर-सैन्टपार्क होकर अमीधारावाडी अडाजण पहुँची जहाँ श्रीसंघ द्वारा नवकारसी का आयोजन किया गया। चैत्यपरिपाटी का लाभ श्री अमृतलाल मोहनलाल अदाणी (लखी) परिवार ने लिया।

पूज्या साध्वीजी द्वारा प्रदत्त प्रवचनों का लाभ अनेक गुरुभक्त एवं बाहर गाँव से पधारे दर्शनार्थी गुरुभक्त ले रहे हैं। दर्शन-वन्दन हेतु अनेक श्रीसंघ, गुरुभक्त अनेक प्रान्तों से पधार रहे हैं।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

संयम वन्दन यात्रा - पंचम चरण

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्न-सूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीष से अ. भा. श्रीराजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धरू के नेतृत्व में श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल, अतुलजी अदाणी, राजेशजी वागरेचा व बृजेशजी बोहरा सहित गुजरात प्रान्त के पदाधिकारीगण संयम वन्दन यात्रा के प्रथम दिन साध्वीश्री मोक्षगुणाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री नम्रगुणाश्रीजी म. सा. के दर्शन-वन्दन हेतु आनन्द नगर गुजरात में पहुँचकर धर्मलाभ एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसी क्रम में अमराईवाड़ी, अहमदाबाद में विराजित साध्वीश्री विज्ञानलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-2 के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर साध्वीश्री ने कहा कि पुण्य-सम्राट की इस फुलवारी की महक चारों दिशाओं में फैली हुई है। आप लोग पुण्य-सम्राट की भावनाओं को साकार रूप प्रदान कर रहे हो। परिषद् खूब फले-फूले यही अभ्यर्थना।

मुनिश्री से मार्गदर्शन प्राप्त करते

श्री वाघजीभाई के साथ परिषद् पदाधिकारी

यहाँ से मीठाखली में पूज्य मुनिराजश्री जिनागम-रत्नविजयजी म. सा. के दर्शन-वन्दन कर मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गुजरात प्रान्त के अध्यक्ष श्री अरविन्दभाई देसाई एवं अहमदाबाद परिषद् अध्यक्ष श्री भरतभाई लाडू उपस्थित थे। यहीं पर त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वाघजी भाई अहमदाबाद से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए चर्चा की। यहाँ से सभी ने श्री माण्डवपुर तीर्थ में दिनांक 11-10-2018 को श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. गुरु मन्दिर एवं पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. समाधि मन्दिर के शिलान्यास समारोह में भाग लेने हेतु प्रस्थान किया।

परम गुरुभक्त वकील सा. का देहावसान

उदयपुर (स.सं.)

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ थराद के अध्यक्ष एवं परम गुरुभक्त संघवी श्री नटवरलाल डाह्यालाल (वकील सा.) का आकस्मिक देहावसान दिनांक 5-10-2018 को मुम्बई में हो गया।

श्री नटवरलाल वकील सा. के नाम से पूरे त्रिस्तुतिक श्रीसंघ में प्रसिद्ध थे। देव-गुरु-धर्म के लिए समर्पित भक्तों में उनका नाम अग्रिम पंक्ति में अंकित था। आपने अपना सम्पूर्ण जीवन सेवा और समाजोन्नति के कार्यों में समर्पित किया। आप द्वारा की गई जिनशासन प्रभावना सदा चिरस्मरणीय रहेगी। आपश्री के देहावसान से सम्पूर्ण त्रिस्तुतिक श्रीसंघ में शोक की लहर छा गई। पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय के अतिरिक्त अनेक संस्थाओं एवं गुरुभक्तों ने उनके देहावसान पर गहरा दुःख प्रकट किया है।

श्री अरिहन्तदेव एवं दादागुरुदेव से यतीन्द्र वाणी परिवार अभ्यर्थना-प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिवार को इस असह्य दुःख को सहने का सम्बल प्रदान करें।

नोट- 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक प्राप्त करने के लिए आप अपना पूर्ण पता मय पिन कोड एवं मो. नं. के साथ निम्न चलभाष नम्बर पर वाटसप करें।
09426285604, 09413763991

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

आचार्यदेवश्री के सान्निध्य में शोभायात्रा की चित्रमय झलकियाँ

गजराज पर लाभार्थी परिवार

तीर्थ द्वार पर मंगल कलश से बधाते हुए चातुर्मास लाभार्थी

शिला पूजन करते लाभार्थी

शिलान्यास विधि करते लाभार्थी परिवार

शिलान्यास विधि करते लाभार्थी परिवार

आचार्यदेवेशश्री से मांगलिक श्रवण करते गुरुभक्त

पुस्तक लोकार्पण

गुरु मन्दिर एवं समाधि मन्दिर का शिलान्यास.... (शेष पृष्ठ अन्तिम पर)

इस अवसर पर यतीन्द्र वाणी प्रकाशन, मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित चार पुस्तकों जिसमें श्री राईय-देवसिय प्रतिक्रमण सूत्र (सचित्र) का लोकार्पण त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वाघजीभाई वोरा एवं परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धरू ने किया। श्री राईय-देवसिय प्रतिक्रमण सूत्र (सरल विधि सहित) का लोकार्पण श्री सुरेशजी बोहरा-भीनमाल एवं श्री घेवरचन्दजी फोलामुथा-सायला ने किया। श्री पंच प्रतिक्रमण सूत्र (सरल विधि सहित) का लोकर्पण श्री मॉगीलालजी लूणिया-धानसा एवं श्री प्रवीणकुमारजी सेठ-धानसा ने किया। श्री स्थापनाचार्य का लोकार्पण श्री इन्द्रमलजी दसेड़ा-जावरा, श्री अरविन्दभाई देसाई-अहमदाबाद एवं श्री सुरेन्द्रजी लोढ़ा-मन्दसौर ने किया। धर्मसभा में उपस्थित गुरुभक्तों को सामूहिक गुरुवन्दन श्री रमेशजी धरू ने करवाया।

धर्मसभा में सन् 2018 के चातुर्मास के लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल, पादरू (राज.) के परिवारजनों श्री कमलेशकुमारजी, श्रीमती खम्मादेवी बाबूलालजी ओसवाल, श्रीमती विमलादेवी मोतीलालजी ओसवाल का श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी-ट्रस्ट एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट की ओर से माला, श्रीफल, शाल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर बहुमान किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्री ओमजी आचार्य ने किया।

शिलान्यास के मांगलिक अवसर पर सम्पूर्ण देश से मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, दक्षिण भारत आदि प्रान्तों के श्रीसंघ एवं परिषद् के हजारों गुरुभक्त पधारे। तीर्थ पेढ़ी की ओर से प्रभावना वितरीत की गई।

चातुर्मास लाभार्थी परिवार का तीर्थ पेढ़ी द्वारा बहुमान

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंगलोज के पास,
विजल-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....

.....

.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित